मूल्य 20/-

वर्ष : 3, अंक : 1, 15 नवम्बर से 14 दिसम्बर, 2016

शतरंग टाइम्स

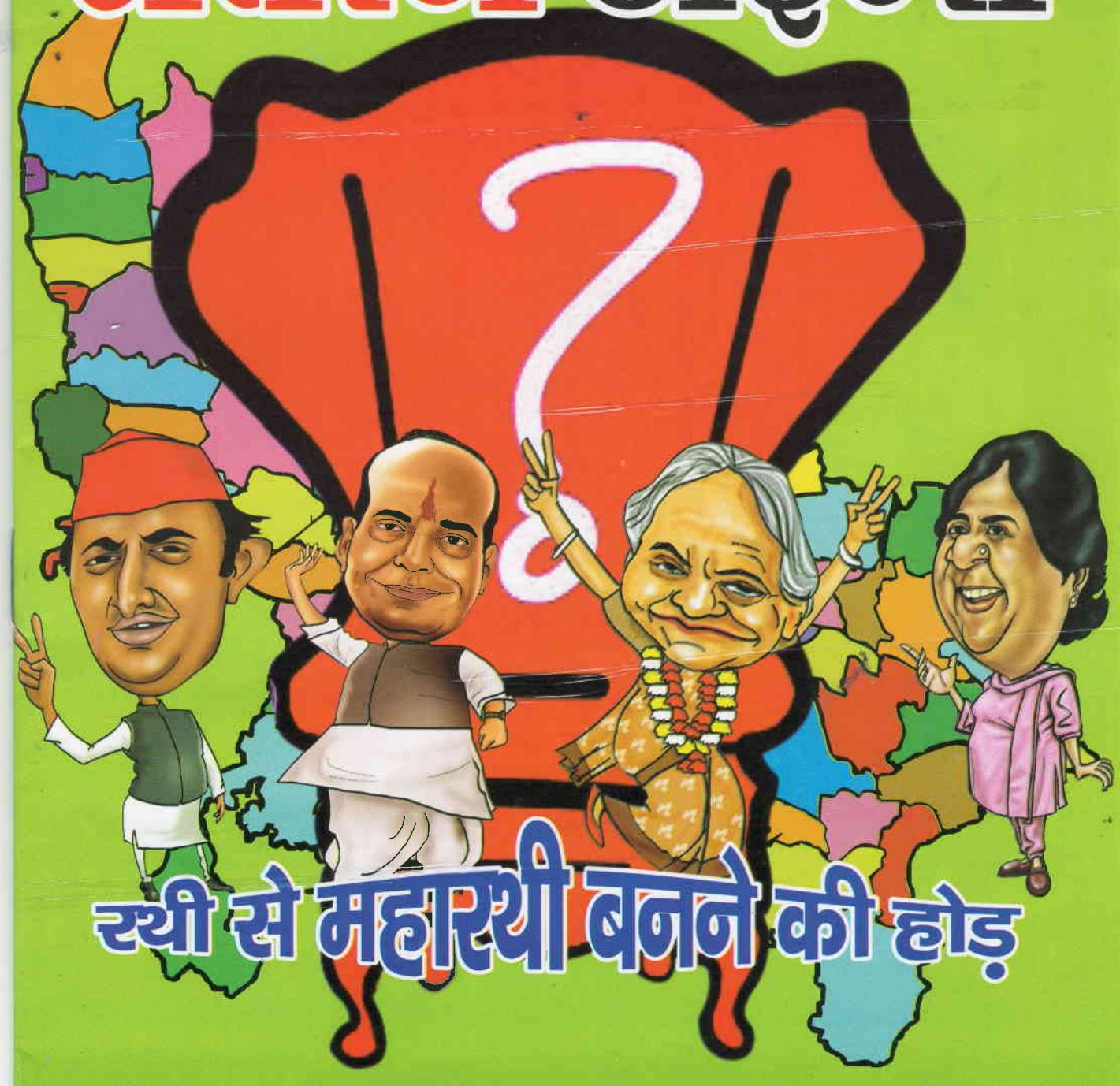

रथी से महारथी बनने की होड़

सतीश पुरोहित
timesshatrang@gmail.com

हिन्दी भाषा को नया धरातल देगा विश्वविद्यलय-प्रजापति

देश का तीसरा हिन्दी विश्वविद्यालय भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम से आरंभ किया गया है इस विश्वविद्यालय और मध्यप्रदेश शासन द्वारा 10 वॉ हिन्दी सम्मेलन 10–12 सितम्बर 2015 को संपन्न हुआ था। इस सम्मेलन के एक वर्ष उपरांत शतरंग टाइम्स पत्रिका द्वारा इस सम्मेलन की कार्य उपलब्धियों और क्रियान्वयन पर अन्तर्राष्ट्रीय अटल बिहारी बाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के भाषा एवं अनुवाद प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति से हमारे मध्यप्रदेश ब्यूरो प्रमुख सतीश पुरोहित द्वारा साक्षात्कार किया गया–

भाषा जगत के आधुनिक विकल्पों के लिये विश्वविद्यालय द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे है?

भाषा जगत अनुवांशिक क्षेत्र है जो एक स्थान से दूसरे स्थान के समुदाय के विचारों को समझे जाने की यादृश्चिक भाषा है, इसकी छोटी इकाई शब्द, स्वर और ध्वनि हैं, जो प्रोक्तिक भाषा की सबसे बड़ी इकाई है। इस क्षेत्र में हमारे विभाग द्वारा छात्रों के ज्ञानवर्धन हेतु विशेष प्रयास किये जा रहे हैं जिसमें अध्ययनरत् छात्रों को उत्कृष्ट हिन्दी भाषा का ज्ञान दिया जा रहा है।

गत् वर्ष 10 वॉ हिन्दी विश्व सम्मेलन भोपाल में आयोजित हुआ जिसका श्रेय विश्वविद्यालय और मध्यप्रदेश सरकार को प्राप्त हुआ। इस सम्मेलन से विश्वविद्यालय को क्या लाभ हुआ?

इस हिन्दी सम्मेलन में विश्वविद्यालय को भारत के तीसरे सर्वोच्च अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालयों में शामिल किये जाने की घोषणा हुई, जो विश्वविद्यालय और मध्यप्रदेश के लिये गौरव की बात है। 10 वे हिन्दी सम्मेलन में भाषा ज्ञान के सभी क्षेत्रों का संवाद हुआ। इस सम्मेलन के उपरांत विषय विशेषज्ञों द्वारा जो सुझाव प्राप्त हुए उनके क्रियान्वयन हेतु एक समिति बनाई गई है इस समिति ने प्राप्त सुझावों को भारत सरकार को प्रेषित कर दिये है। इस सम्मेलन में पहली बार भारतीय भाषा का डिजिटलाईजेशन किया गया तथा विश्वस्तरीय हिन्दी प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में सभी विषयों का ज्ञान हिन्दी भाषा में प्रस्तुत किया गया, जो प्रतिभागियों के लिये अपने आप में पहला प्रयोग रहा।

ग्रामीण क्षेत्रों के बीच विश्वविद्यालय की पहुंच के लिये क्या कार्य योजना है?

विश्वविद्यालय की पहुंच प्रदेश के गांव में पहुंचाने के लिये जनशिक्षा केन्द्र खोले जा रहे है, जिसमें सभी पाठ्यक्रमों के बारे में बताया जायेगा और इनकी भाषा हिन्दी रहेगी। इस दिशा में इन्दौर और उज्जैन में यह केन्द्र प्रारंभ किये गये हैं।

विश्व हिन्दी सम्मेलन में प्राप्त सुझावों का अब तक क्या क्रियान्वयन हुआ?

जैसा कि मैंने पहले बताया कि इस सम्मेलन के उपरांत एक समिति का गठन किया गया है और इस सम्मेलन में प्राप्त सुझावों के क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार को प्रेषित किया है। इस सम्मेलन के उपरांत भारत सरकार द्वारा गूगल सर्च इंजन को हिन्दी भाषा में करने हेतु माननीय प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव भेजा गया जिस पर कार्य भी प्रारंभ हो गया है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने सभी राज्यों को विभागीय कार्यो की भाषा हिन्दी में किये जाने की पहल की है।

विश्वविद्यालय में मानव संसाधन की प्रतिपूर्ति की दिशा में शैक्षणिक व गैर–शैक्षणिक पदों की स्वीकृति हेतु नियुक्ति के लिये क्या प्रकिया चल रही है?

यूजीसी की मार्गदर्शिका के अनुसार विश्वविद्यालय में नियुक्ति प्रकिया की जायेगी और इस विषय पर अधिक जानकारी हेतु माननीय कुलपति जी से संपर्क करें तो बेहतर होगा।

शासन द्वारा विश्वविद्यालय भवन निर्माण की अनुमति किस क्षेत्र में दी गई और उसका बजट कितना स्वीकृत किया गया?

विश्वविद्यालय भवन की अनुमति विदिशा रोड पर मुगालिया कोट, सूखी सेवनियॉ में दी गई है। जिसका बजट रू. 520 करोड़ शासन द्वारा स्वीकृत किया गया है।